Website : www.amritdarshan.com
Happy Republic Day
।। श्री हरिः ।।
नमामि देवी नर्मदे
RNI No. MPHIN /2004 /13927
अमृत दर्शन
नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक
नर्मदापुरम, सोमवार, 26 जनवरी 2026 । वर्ष-22 । अंक-101 । पृष्ठ : 8 । मूल्य : 1 रुपया

विशेष संपादकीय | डी पी गोयल

भारत का गौरवशाली 77वां गणतंत्र दिवस

दुनिया में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर आधारित तमाम देश हैं ,लेकिन भारत का गणतंत्र सबसे मजबूत सबसे बड़ा और सबसे पारदर्शी है। पिछले 76 वर्षों में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार होता रहा है। भारत में निर्वाचित हुई तमाम सरकारें भारतीय लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए पारदर्शी न्याय व्यवस्था और प्रशासनिक सेवाओं को सुदृढ़ करने का प्रयास करती रही हैं। लेकिन एक वृहद देश में संचालित तमाम सरकारी व्यवस्थाओं में सुधार धीरे-धीरे होता है, जो निरंतर तीव्र गति से जारी भी है। केंद्रीय सत्ता लगातार भारत की एकता अखंडता के लिए प्रयासरत रहती है। पिछले वर्ष 22 अप्रैल को जब पाकिस्तान समर्थित और प्रशिक्षित आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में भारतीय पर्यटकों पर कायराना हमला कर भारत की संप्रभुता को चुनौती दी, तो भारतीय सरकार ने उस चुनौती को स्वीकार करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से ,जो आतंकवादियों के ठिकानों पर हमले किए और पाकिस्तान में घुसकर आतंकी मॉड्यूल को खत्म किया, यह पूरी दुनिया ने देखा।

भारतीय सेना के तीनों अंगों का दमखम देखकर, जो भारत के दुश्मन है, उनकी अंतरात्मा तक कांपने लगी। जहां तक देश के विकास और प्रगति की बात है ,तो अत्यधिक आधुनिक टेक्नोलॉजी एआई में भारत सबसे बड़ा देश उभर कर सामने आ रहा है । भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। इसी तरह अगर हम देखें तो हमारे मध्य प्रदेश में भी पिछले साल से लेकर अभी हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के दावोस दौरें तक हम स्वयं आकलन लगा सकते हैं ,कि विश्व की तमाम बड़ी कंपनियों को, तमाम बड़े औद्योगिक घरानों को मध्य प्रदेश में अपनी इकाई स्थापित करने का न्योता मुख्यमंत्री लगातार दे रहे हैं। जिसके सुखद परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने चालू वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में संकल्प लेकर काम करने की योजना बनाई है। मध्य प्रदेश सरकार गरीब किसानों महिलाओं और युवाओं के लिए लगातार कल्याणकारी योजनाएं बना रही है । सामाजिक न्याय की दृष्टि से अगर देखा जाए ,तो संवेदनशील मध्य प्रदेश सरकार निरंतर दवे कुचले, वंचित , गरीब वर्ग को संरक्षण और पोषण देने का काम कर रही है।

पिछले वर्ष से लेकर अभी तक महिलाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ लाडली बहना योजना की राशि भी अब 1500 तक पहुंच गई है ,जो भाजपा के 2023 के चुनावी घोषणा पत्र में अंकित 3000 की राशि तक पहुंचने वाली है। प्रधानमंत्री ने जहां एक तरफ लाखों नौकरियों को सुनिश्चित करने की बात की है ,तो वही मध्य प्रदेश के सीएम डॉक्टर मोहन यादव ने छोटे-छोटे लघु उद्योगों के स्थापना हेतु अनुदान के साथ-साथ सहकारिता और आउटसोर्स के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने की बात कही है।

इसके साथ साथ मध्य प्रदेश सरकार भी विभिन्न विभागों में लगातार वैकेंसी निकल रही है। एक स्वस्थ लोकतंत्र का आधार देश और प्रदेश के प्रत्येक नागरिक का सरकार के संचालन में सीधा-सीधा हस्तक्षेप और योगदान को माना जाता है ,इसी दिशा में देश और प्रदेश की सरकार निरंतर आगे बढ़ रहीं है। हमें अटल विश्वास है कि हमारा लोकतंत्र हमेशा मजबूत रहेगा अमर रहेगा।

।।जय हिंद।।

अवकाश की सूचना

गणतंत्र दिवस के अवसर पर दैनिक अमृत दर्शन कार्यालय में आज अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी 2026 को प्रकाशित होगा। विज्ञापनदाता एवं पाठक नोट कर लें।

-व्यवस्थापक

अंतर्मना उवाच

बोलना एक कला है.. तो मौन रहना सबसे बड़ी कला है..!

बोलना सबको आता है, *जैसे -*
किसी की जुबान बोलती है,
किसी की नीयत बोलती है,
किसी का समय बोलता है,
किसी का दबदबा बोलता है,
किसी का पैसा बोलता है,
और जिन्दगी के अंत में परमात्मा के दरबार और आदमी के दिलों दिमाग में वाणी व्यवहार और हमारा कर्म बोलता है।

इसलिए ***जब कोई चुप हो, तो हम बोलने की बजाय उसे मौन पूर्वक सुनें, बिना घड़ी देखें, बिना शिकायत किये।*** *जब कोई गलती कर दे तो उसे माफ कर दें और कहें चलो फिर कोशिश करना, वैसी गलती न हो। जब कोई हम से बात करना पसंद न कर रहा हो, या नजर अंदाज कर रहा हो तब कहें - मैं यहीं हूं, जब मन करे बात कर लेना। आज हम इस तरह से जीवन जीते हैं तो हम जीते जी अमर हैं और मरने के बाद भी अमर रहेंगे।*

रिश्तों में शब्द नहीं - एहसास बनो, वादे नहीं - उपस्थिति बनो, कोरी सलाह नहीं - सहयोगी भी बनो, सिर्फ समझकर नहीं - समझ भी बनो। ***यह दर्शन किताबों में नहीं, अपनेपन की सांसो में जीता है...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

नर्मदा जयंती : अवतरित हुई आस्था नगरी बनी तीर्थ संस्कृति और श्रद्धा का महासंगम

घाटों पर उमड़ा जनसैलाब , चहुंओर गूंजा त्वदीय पाद पंकजं नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम ■ प्रतिनिधि

शहर में मां नर्मदा का प्रकटोत्सव और नगर गौरव दिवस हर्षोल्लास, श्रद्धा और आस्था से मनाया गया। मां नर्मदा जयंती पर सेठानी घाट सहित सभी घाटों पर विशेष साज सज्जा की गई थी। मुख्य आयोजन सेठानी घाट पर हुआ। कार्यक्रम में स्कूल एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह सर्किट हाउस घाट से जलपरी से जल मंच तक पहुंचे। उन्होंने हाथ हिलाकर लोगों का अभिनंदन किया। जल मंच से उन्होंने मां नर्मदा की विशेष पूजा अर्चना की और दूध से महाअभिषेक किया।

नर्मदा जयंती पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से भारी संख्या में लोगों ने नर्मदा की पूजा अर्चना की। मुख्य कार्यक्रम में सेठानी घाट के जलमंच से आयोजित हुआ। जहां पर महाभिषेक किया गया। इसके साथ ही सर्किट हाउस घाट से पर्यावरण के अनुकूल आटे और पत्तों से बनाए गए दिए जगमगाएं। घाट और जल में रोशनी की अविरल धारा जगमग हो उठी।

रविवार को मां नर्मदा प्राकटोत्सव कार्यक्रम नित्य आरती समिति एवं प्राचीन श्री नर्मदा मंदिर द्वारा आयोजित किया गया। दोपहर को मां नर्मदा की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जो श्री मां नर्मदा मंदिर मोरछली चौक होते हुए सेठानी घाट पहुंची। धर्माचार्य पंडित सोमेश परसाई द्वारा महा अभिषेक का कार्यक्रम संचालित किया गया। भोपाल से आए लोक कलाकार फूल सिंह माडरे रात्रि 7:30 बजे अपनी बुंदेली लोक गायन की प्रस्तुति दी। रात्रि 8:30 बजे भक्ति गायन के अंतर्गत मुंबई की कलाकार माधवी मधुकर झा द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति दी गई। दो दिवसीय कार्यक्रम जिले में भव्य रूप से आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदापुरम जिले को 38 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यों की दी सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नर्मदा जयंती पर नर्मदापुरम जिले में आयोजित नर्मदा जयंती एवं नर्मदा लोक के भूमि पूजन कार्यक्रम में वीसी के माध्यम से सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीसी के माध्यम से नर्मदापुरम जिले को 38 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 3 विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ नर्मदा लोक बनने से नर्मदापुरम जिले में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नर्मदा मैया मध्यप्रदेश की मां है। मां नर्मदा प्रदेश की आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक समृद्धि का केंद्र है। मां नर्मदा के आशीर्वाद से मध्यप्रदेश देश की फूड बास्केट बना है साथ ही उनकी कृपा से बिजली उत्पादन में सरप्लस राज्य बनकर नित नई ऊंचाइयां छू रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में किया 760.78 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण

हम सबको दे रहे हैं समान अवसर, मप्र में बेरोजगारी दर सबसे कम : सीएम

उज्जैन ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा मध्यप्रदेश विकास के नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। आज मध्यप्रदेश की गिनती देश में सबसे तेज गति से विकास करने वाले राज्यों में हो रही है। यही मप्र का अभ्युदय है। एक हालिया राष्ट्रीय सर्वे में सामने आया है कि मध्यप्रदेश में बेरोजगारी दर सबसे कम है। ऐसा इसलिए क्योंकि हम गरीबों, जरूरतमंदों, किसानों, युवाओं महिलाओं और सभी वर्गों को आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीते एक साल में 7.50 करोड़ से अधिक श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आये। श्रद्धालुओं की यह तादाद तेजी से बढ़ रही है। सिंहस्थ आने वाला है, इसलिए दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेले के लिए उज्जैन भी पूरी तत्परता और तेजी से तैयार हो रहा है। सीएम रविवार को उज्जैन शहर में हरिफाटक पुल के चौड़ीकरण के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उज्जैन की ओर आने वाले सभी सड़क मार्गों को 4 लेन एवं 6 लेन किया जाएगा

खेलो एमपी यूथ गेम्स का होगा धमाकेदार आगाज

भोपाल। मध्यप्रदेश में खेलों का सबसे बड़ा महाकुंभ खेलो एमपी यूथ गेम्स 27 जनवरी को राजधानी भोपाल में भव्य अंदाज़ में शुरू होने जा रहा है। तात्या टोपे स्टेडियम में होने वाले राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह में सुप्रसिद्ध गायक कैलाश खेर और कैलासा बैंड अपनी खास प्रस्तुति से माहौल को यादगार बनाएंगे। आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। रविवार को सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की।

सीएम ने कार्यक्रम में हरिफाटक पुल तक 371.11 करोड़ रुपए की लागत से 6 लेन रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण, उज्जैन शहर में 389.67 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न श्रेणी के निर्माण सहित कुल 760.78 करोड़ रुपए लागत के 15 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन विकास कार्यों में 232.73 करोड़ रुपए की लागत से पुलिस अधिकारी कर्मचारियों के लिए 836 नए पुलिस आवास और 36 करोड़ रुपए की लागत से न्यू स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का भूमिपूजन भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने यहां 33 करोड़ रुपए के दो निर्माण कार्यों का लोकार्पण भी किया।

इस दौरान सीएम ने राज्य स्तरीय मिशन कोमल स्पर्श का शुभारंभ किया। इस मिशन की शुरूआत उज्जैन संभाग से की गई है। मिशन में नवजात/छोटे बच्चों के तलवों की जांच कर यह पता लगाया जाएगा कि उनमें कोई आनुवांशिक कमी/विकृति/बीमारी के लक्षण तो नहीं है। यदि ऐसा कुछ मिलता है, तो उस चिन्हित बच्चे का 18 साल की आयु तक निःशुल्क उपचार किया जाएगा। यह मिशन मध्यप्रदेश सरकार और अरविंदो हास्पिटल इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जाएगा।

सीएम को कार्यक्रम के दौरान एचडीएफसी बैंक द्वारा अपने सीएसआर फंड से उज्जैन जिले के 51 शासकीय स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस निर्माण करने का एक संकल्प-पत्र सौंपा गया। इससे पहले इसी बैंक द्वारा उज्जैन जिले के ही 8 शासकीय स्कूलों की 20 कक्षाओं को मॉडल क्लास रूम बनाया गया है। यह काम उन्होंने सिर्फ 6 महीने में पूरा कर लिया है। बैंक के अधिकारियों ने इस आशय का संकल्प पूर्ति पत्र भी मुख्यमंत्री को सौपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पुनीत काम के लिए बैंक अधिकारियों की सराहना की।

सीएम ने कहा कि सिंहस्थ उज्जैन की पहचान है। बाबा महाकाल का आशीष पाने से हम किसी को वंचित नहीं रहने देंगे। बाबा महाकाल की नगरी में श्रद्धालुओं के लिए सभी इंतजाम किए जा रहे हैं। बाबा महाकाल के महालोक के विकास और विस्तार के लिए केंद्र सरकार भी हमारी मदद कर रही है। जावरा से उज्जैन की ओर एक नया 4 लेन रोड बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी दिशाओं से उज्जैन की ओर आने वाले सड़क मार्गों को यथा आवश्यकतानुसार 4 लेन और 6 लेन हाई-वे रोड में परिवर्तित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उज्जैन में रेल सुविधाओं का विस्तार भी किया जा रहा है। उज्जैन में चिंतामन गणेश रेलवे स्टेशन का विकास किया जा रहा है।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संदेश

नए प्रतिमान स्थापित कर रहीं महिलाएं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को राष्ट्र के नाम संदेश दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, देश और विदेश में रहने वाले हम भारत के लोग उत्साह के साथ गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाने जा रहे हैं। मैं आप सभी को गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व की हार्दिक बधाई देती हूं। गणतंत्र दिवस का पावन पर्व हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य में देश की दशा और दिशा का अवलोकन करने का अवसर होता है। स्वाधीनता संग्राम के बल पर 15 अगस्त 1947 के दिन से हमारे देश की दशा बदली। भारत स्वाधीन हुआ। हम अपनी राष्ट्रीय नियति के निर्माता बने।

उन्होंने कहा, 26 जनवरी 1950 के दिन से हम अपने गणतंत्र को सांविधानिक आदर्शों की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। उसी दिन हमने अपने संविधान को पूरी तरह से लागू किया। लोकतंत्र की जननी भारतभूमि उपनिवेश के विधि-विधान से मुक्त हुई और हमारा लोक-तंत्रात्मक गणराज्य अस्तित्व में आया। हमारा संविधान, विश्व इतिहास में आज तक के सबसे बड़े गणराज्य का आधार-ग्रंथ है। हमारे संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्श हमारे गणतंत्र को परिभाषित करते हैं। संविधान निर्माताओं ने राष्ट्रीयता की भावना तथा देश की एकता को सांविधानिक प्रावधानों का सुदृढ़ आधार प्रदान किया है।

'सरदार पटेल ने किया राष्ट्र का एकीकरण' - राष्ट्रपति ने कहा, लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने हमारे राष्ट्र का एकीकरण किया। पिछले वर्ष 31 अक्तूबर को कृतज्ञ देशवासियों ने उत्साहपूर्वक उनकी 150वीं जयंती मनाई। उनकी 150वीं जयंती के पावन अवसर से जुड़े स्मरण-उत्सव मनाए जा रहे हैं। ये उत्सव देशवासियों में राष्ट्रीय एकता तथा गौरव की भावना को मजबूत बनाते हैं। उत्तर से लेकर दक्षिण तक तथा पूर्व से लेकर पश्चिम तक, हमारी प्राचीन सांस्कृतिक एकता का ताना-बाना हमारे पूर्वजों ने बुना था। राष्ट्रीय एकता के स्वरूपों को जीवंत बनाए रखने का प्रत्येक प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

आप सब हमारे जीवंत गणतंत्र को शक्तिशाली बना रहे हैं

राष्ट्रपति मुर्मू ने आगे कहा, 'प्यारे देशवासियों, आप सब हमारे जीवंत गणतंत्र को शक्तिशाली बना रहे हैं। हमारी तीनों सेनाओं के बहादुर जवान, मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव सतर्क रहते हैं। हमारे कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मी तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवान देशवासियों की आंतरिक सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। हमारे अन्नदाता किसान देशवासियों के लिए पोषण सामग्री उत्पन्न करते हैं। हमारे देश के कर्मठ और प्रतिभाशाली महिलाएं अनेक क्षेत्रों में नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं।

'वंदे मातरम की भावना ने जनमानस को जोड़ा' - उन्होंने कहा, पिछले वर्ष सात नवंबर से हमारे राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की रचना के 150 वर्ष सम्पन्न होने के उत्सव भी मनाए जा रहे हैं। भारत माता के दैवी स्वरूप की वंदना का यह गीत, जन-मन में राष्ट्र-प्रेम का संचार करता है। राष्ट्रीयता के महाकवि सुब्रमण्य भारती ने तमिल भाषा में 'वंदे मातरम येन्बोम' अर्थात 'हम वंदे मातरम बोलें' इस गीत की रचना करके वंदे मातरम की भावना को और भी व्यापक स्तर पर जनमानस के साथ जोड़ा। अन्य भारतीय भाषाओं में भी इस गीत के अनुवाद लोकप्रिय हुए। श्री ऑरोबिंदो ने 'वन्दे मातरम' का अंग्रेजी अनुवाद किया। ऋषितुल्य बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित 'वन्दे मातरम' हमारी राष्ट्र-वंदना का स्वर है।

गणतंत्र दिवस: उज्जैन में सीएम और भोपाल में राज्यपाल झंडा फहराएंगे

भोपाल ■ प्रतिनिधि

राजधानी भोपाल में गणतंत्र दिवस समारोह लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित होगा। यहां राज्यपाल मंगुभाई पटेल ध्वारोहण करेंगे। उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और ग्वालियर में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ध्वज फहराएंगे। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान केवल शासन का दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की भावना का जीवंत आधार है। राज्यपाल पटेल ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि गणतंत्र दिवस पर संविधान की मर्यादाओं का पालन, राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने तथा प्रदेश-देश की प्रगति के लिए ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सद्भाव के साथ कार्य करने का संकल्प लें। युवा, राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी, सामाजिक सौहार्द्रता और समरसता के प्रति निष्ठा रखने की प्रेरणा लें। राज्यपाल पटेल ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के त्याग, संघर्ष और दूरदृष्टि के कारण हमें एक सशक्त लोकतांत्रिक राष्ट्र प्राप्त हुआ। गणतंत्र दिवस हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी स्मरण कराता है। यह अवसर हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक आस्थाओं और राष्ट्रीय संकल्पों का प्रतीक है।

स्टार्ट अप इंडिया की जर्नी है : मोदी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा, 'आज 25 जनवरी का दिन भी अहम है। आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस है। मतदाता ही लोकतंत्र की आत्मा होता है।' 'इन दिनों मैं सोशल मीडिया पर एक मजेदार ट्रेंड देख रहा हूं। लोग 2016 की अपनी यादों को ताजा कर रहे हैं। मैं भी आज आपसे अपनी एक याद को साझा करना चाहता हूं। आज से 10 साल पहले हमने एक शुरुआत की। मैं जिस जर्नी की बात कर रहा हूं, वह स्टार्ट अप इंडिया की जर्नी है।' 'मैं युवाओं से एक आग्रह करना चाहता हूं कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में हम सभी पर एक बड़ी जिम्मेदारी है, वह है गुणवत्ता पर जोर देने की।' 'यूपी के आजमगढ़ में दिखाई दिया, जहां स्थानीय लोगों ने तमसा नदी को नया जीवन दिया है।

उज्जैन बन गया है उमंग, उत्साह, जोश और आनंद की सांस्कृतिक राजधानी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन उमंग, उत्साह, जोश और आनंद की नगरी बन गया है। हर क्षण यहां मेले, उत्सव, त्यौहार मनाए जाते हैं। उज्जैन उत्सवों की राजधानी बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात उज्जैन के कोठी रोड पर रविवार की सुबह आयोजित राहगीरी आनंद उत्सव का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शंखनाद कर देवताओं के आह्वान की सनातन परंपरा का निर्वहन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव राहगीरी आनंद उत्सव में सम्मिलित हुए। आनंद, मौज मस्ती, योगा, पारंपरिक खेलकूद के साथ सुबह के भ्रमण का आनंद उठाने के लिए हजारो की संख्या में लोग भी पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान लगभग 70 से अधिक संस्थाओ ने मंचों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत अभिनंदन किया।

किसानों का किया सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहगीरी कार्यक्रम के समापन पर किसानों को शाल-श्रीफल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि वर्ष-2028 में उज्जैन में सिहंस्थ का आयोजन किया जाएगा। यह पूरे उत्साह, उमंग और भारतीय संस्कृति विरासत को दुनिया को दिखाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। भारतीय सनातन परंपरा को विश्व पटल पर नई पहचान के साथ उल्लेखित करने के प्रयास किए जाएंगे।

पंत ने आर्य समाज को बनाया संस्कार भूमि, स्कूल में संघ से जुड़े

मप्र के कैलाश चंद्र समेत 4 को पद्मश्री सम्मान से नवाजा जाएगा

भोपाल ■ प्रतिनिधि

साल 2026 के पद्म अवॉर्ड्स का ऐलान कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस साल 5 हस्तियों को पद्म विभूषण, 13 को पद्म भूषण और 113 को पद्मश्री सम्मान से नवाजा जाएगा।

इनमें मध्य प्रदेश की 4 हस्तियां शामिल हैं। भोपाल के लेखक कैलाश चंद्र पंत, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, सागर के मार्शल आर्ट कलाकार भगवानदास रैकवार और नारायण व्यास को पद्मश्री सम्मान दिया जाएगा।

कैलाश चंद्र पंत | भगवान दास रैकवार

भगवानदास रैकवार को खेल (मार्शल आर्ट), कैलाश चंद्र पंत को साहित्य एवं शिक्षा, मोहन नागर को समाज सेवा और नारायण व्यास को पुरातत्व क्षेत्र से समान के लिए चुना गया है।

राजगढ़ के सारंगपुर के रहने वाले मोहन नागर को पर्यावरण और जल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए काम के लिए यह सम्मान मिला है। छोटे से गांव रायपुरिया में 23 फरवरी 1968 को जन्मे मोहन नागर को आदिवासियों की मदद और जल संरक्षण के लिए 'जल पुरुष' कहा जाता है।

मोहन नागर पिछले तीन दशक से बैतूल स्थित भारत भारती शिक्षा संस्थान से जुड़े हैं। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद में उपाध्यक्ष हैं। उनके नेतृत्व में जिले में जल संरक्षण, नदी पुनर्जीवन और सामाजिक चेतना से संबंधित कई नवाचार चल रहे हैं। उन्होंने कहा- यह पुरस्कार जिले की जनता, विशेषकर आदिवासी और जनजातीय समाज को समर्पित है। सागर के भगवान दास रैकवार (83) को अखाड़ा संस्कृति की प्राचीनतम युद्ध शैली के लिए पद्मश्री अवार्ड मिला है। उन्होंने कहा- 16 साल की उम्र में परिवार और गुरु के कहने पर अखाड़ा खेलना शुरू किया था।

राष्ट्रपति पदक से सम्मानित होंगे मप्र के 21 पुलिस अधिकारी, 4 को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस के लिए यह गर्व का क्षण है। राज्य के 21 पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा। इनमें 4 वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेसिडेंट मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस और 17 अधिकारियों को मेडल फॉर मेरीटोरियस सर्विस प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट निष्ठा, अनुशासन, मानव सेवा और सराहनीय कार्यों के लिए दिया जा रहा है। राष्ट्रपति पदक को देश के सर्वोच्च पुलिस सम्मानों में गिना जाता है, जो कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और सेवा भावना का प्रतीक है। इन अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त 2026 को आयोजित अलंकरण समारोह में पदक प्रदान किए जाएंगे।

इंदौर कमिश्नर समेत चार को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक- इंदौर पुलिस कमिश्नर एवं 2000 बैच के आईपीएस अधिकारी संतोष कुमार सिंह, नर्मदापुरम आईजी मिथिलेश कुमार शुक्ला, भोपाल के एडिशनल पुलिस कमिश्नर अवधेश कुमार गोस्वामी तथा निरीक्षक शिव कुमार पटेल को प्रेसिडेंट मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस से सम्मानित किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला परिवहन एवं यातायात विभाग
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला आबकारी विभाग हरदा
रितेश कुमार लाल

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. आर.के. दोगने
विधायक, हरदा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कृषि उपज मंडी, हरदा
(एच.एन. भिलाला)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मतस्य विभाग हरदा
(कमलेश सर)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ज़वाहरलाल कासदे, कृषि उप संचालक
विभाग, जिला हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला वन मण्डल अधिकारी
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला उद्योग विभाग
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आर.ई.एस. विभाग
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जल संसाधन विभाग
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय हरदा
(संगीता विले)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
खनिज विभाग
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वन विभाग हंडिया रेंज
जिला हरदा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
लोक निर्माण विभाग
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
लोक स्वास्थ्य विभाग
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शिक्षा विभाग
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रेशम विभाग
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रधानमंत्री सड़क योजना
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला यातायात एवं पुलिस विभाग
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अभिजीत शाह, विधायक टिमरनी
जिला - हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जनपद पंचायत
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पाथवेज इंडिया प्रालि. हरदा
हम करते हैं सड़ को सड़क से जोड़ने का काम

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नारायण लवनिया, मध्यप्रदेश विद्युत
वितरण कंपनी ग्रामीण क्षेत्र हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पुलिस विभाग टिमरनी
जिला - हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पी.आई.यू. विभाग
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रजिस्ट्रार कार्यालय
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वेयर हाउस, सिराली रोड सुल्तानपुर
हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राजेन्द्र धनोरिया , कृषि उपज मंडी समिति
टिमरनी, जिला हरदा (म.प्र.)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रामनिवास शर्मा, ठेकेदार

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
लोक निर्माण विभाग, बुधनी (जिला सीहोर)

समस्त ग्रामवासियों एवं देशवासियों को गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री हरिओम गौर
सरपंच

श्री रामदास दायमा
सचिव

ग्राम पंचायत रोझड़ा

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
वर्धमान फैब्रिक, बुदनी (जिला-सीहोर)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी संतोष रघुवंशी एवं नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता अर्जुन मालवीय की ओर से

समस्त नगरवासियों एवं देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

इस पावन अवसर पर उन्होंने संविधान के मूल्यों–स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे–के प्रति निष्ठा रखने का आह्वान किया। साथ ही नगर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाए रखने हेतु सभी नागरिकों से स्वच्छता अपनाने, कचरा निर्धारित स्थानों पर डालने और सार्वजनिक स्थलों की साफ़-सफाई बनाए रखने की अपील की।

निवेदक : नगरपालिका परिषद बुधनी (जिला सीहोर)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती कमलादेवी हजारीलाल तायल
पारमार्थिक ट्रस्ट सेंधवा की और से 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की प्रदेश वासियों शहर वासियों को हार्दिक शुभकामनायें बधाई

अंधेरा किसी के घर का मिटाए हम,
देकर किसी को उजाला ख़ुशी मनाए हम

श्रीमती कमलादेवी हजारीलाल तायल पारमार्थिक ट्रस्ट -सेंधवा
द्वारा
मोतियाबिंद के
नि:शुल्क ऑपरेशन
कराये जाते है,

कृपया मोतियाबिंद रोगी संपर्क करें ।

पता: महेश कॉटन, मंगल भवन के पीछे, सेंधवा
मोबा. 94250-87353, 94250-58053, 94250-88853
ऑपरेशन : डॉ.राजेन्द्र मालवीय, सरस्वती नेत्र चिकित्सालय बड़वानी द्वारा किये जावेगें।
जरूरतमंद रोगियों को बड़वानी आने जाने का वाहन किराया भी दिया जावेगा।

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति रामदासी
समिति प्रबंधक जितेन्द्र सिंह ठाकुर
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
दीपक चौधरी, जिलाध्यक्ष
मप्र सहकारिता कर्मचारी संघ

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति जमोनिया फतेहपुर
समिति प्रबंधक राकेश मेवाड़ा
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति कन्नोद मिर्जी
समिति प्रबंधक कमल सिंह ठाकुर
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति सेवदा
समिति प्रबंधक प्रहलाद चौधरी
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
कमलेश अग्रवाल
समाजसेवी और व्यवसायी

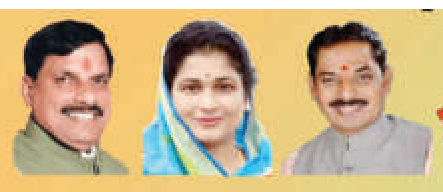

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक
शुभकामनाएं...

गोपाल इंजीनियर
विधायक, आष्टा विधानसभा
-:सौजन्यः:-
आष्टा विधायक मित्र मंडल
आष्टा विधानसभा क्षेत्र

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति पगारिया हाट
समिति प्रबंधक तुलसी राम
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति इछावर
समिति प्रबंधक कमलेश टुवानी
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति हकीमाबाद
समिति प्रबंधक मोहन सिंह परमार
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति दुपाड़िया
समिति प्रबंधक सज्जन सिंह मेवाड़ा
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति दीवड़िया
समिति प्रबंधक राम सिंह वर्मा
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति बोरदी कलां
समिति प्रबंधक वीरेन्द्र सिंह ठाकुर
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति आमलारामजीपुरा
समिति प्रबंधक कृपाल सिंह ठाकुर
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

भारत सरकार
सभी देशवासियों को
77 वें गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ

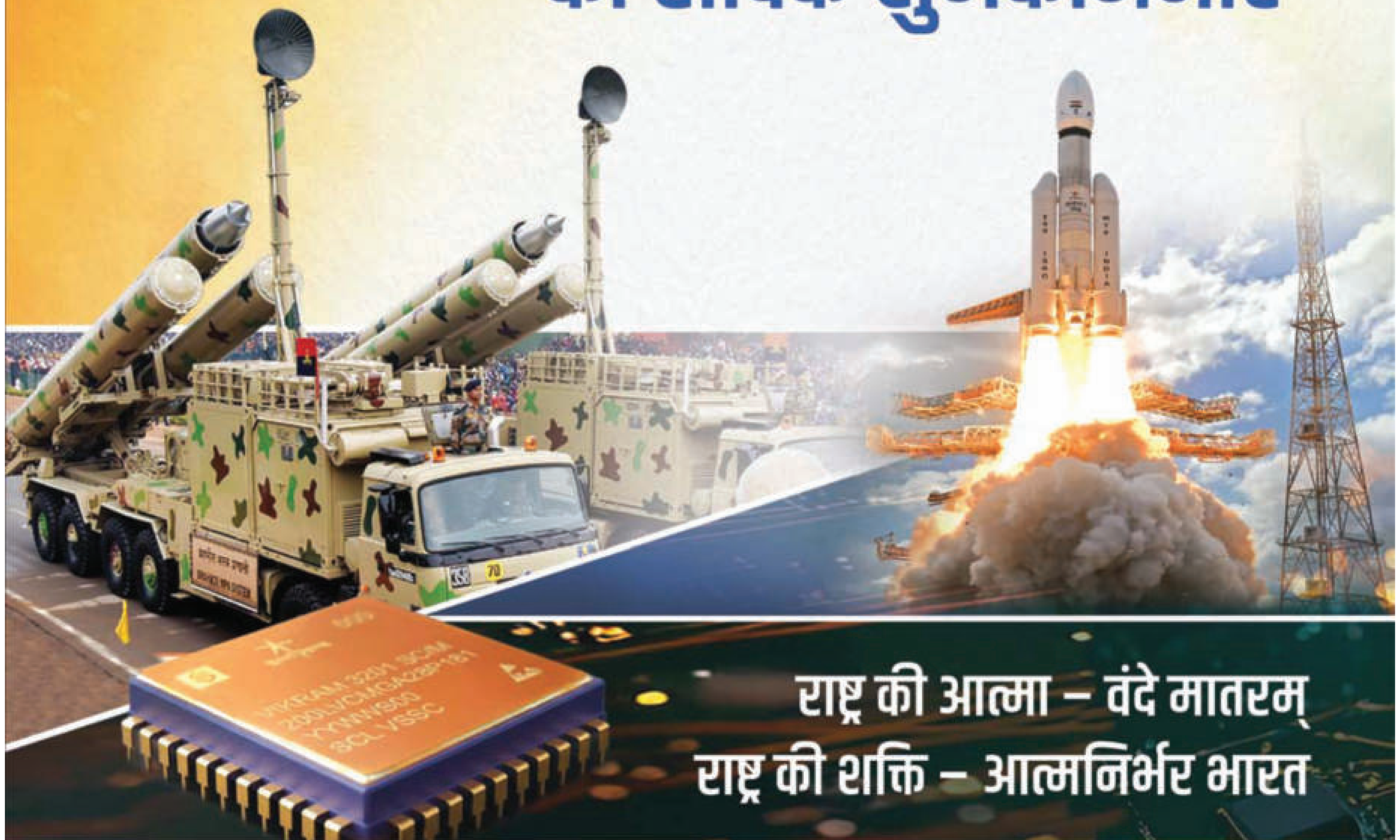

राष्ट्र की आत्मा – वंदे मातरम्
राष्ट्र की शक्ति – आत्मनिर्भर भारत

संविधान की निहित भावना है - We, the people (हम लोग)।
सबका प्रयास - हम इसी मंत्र को लेकर आगे चलें।
विकसित भारत का सपना जब 140 करोड़ देशवासियों का सपना बन जाता है और संकल्प लेकर देश चल पड़ता है तो इच्छित परिणाम लेकर रहता है।
- नरेन्द्र मोदी

cbc 22201/13/0024/2526
कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस समारोह के विशेष कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुबह 9:25 बजे से दूरदर्शन नेटवर्क पर

अनमोल वचन

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
तुलसीदास

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।
रहीम

सम्पादकीय

न्यायपालिका की विश्वसनीयता में कमी क्यों

पिछले एक दशक में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संविधान ने न्यायपालिका को लोकतंत्र का प्रहरी बनाकर सर्वोच्च स्थान दिया है। कार्यपालिका और विधायिका पर न्यायपालिका का संवैधानिक नियंत्रण, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, कानून और नियमों का राज, सभी के लिए समान अवसर यह सुनिश्चित करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्थाएँ अपने दायित्व का सही ढंग से निर्बाह कर रही हैं, या नहीं। इस पर नियंत्रण रखने की मूल जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। गणतंत्र के 76वें वर्ष में खड़े होकर जब हम देखते हैं, तो वर्तमान की तस्वीर पहले जैसी स्पष्ट और भरोसेमंद नजर नहीं आती है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार बढ़ा है। जिस तरह के निर्णय आ रहे हैं, और टिप्पणियां हो रही हैं, उसको लेकर न्यायपालिका के ऊपर नागरिकों का दिन प्रतिदिन विश्वास घटता चला जा रहा है। बीते वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं, जिसने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति मे कॉलेजियम बनाम सरकार का टकराव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस, सुप्रीम कोर्ट में मनमाने तरीके से न्यायाधीशों की बेंच में मामलों की सुनवाई संवैधानिक पीठों के गठन में देरी, महत्वपूर्ण याचिकाओं को वर्षों तक लंबित रखना, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई वर्षों तक लंबित रखने, आधे-अधूरे निर्णय देना, आदेश के स्थान पर टिप्पणियां करना। यह सब इस बात का संकेत देते हैं। न्यायिक व्यवस्था में विचारधारा सरकार का दबाव और भेदभावपूर्ण निर्णय देने का चलन बढ़ा है। सरकार मनमाने निर्णय ले रही है। न्यायपालिका कई मामलों में अपेक्षित निर्णय नहीं ले रही है। न्यायपालिका सरकार के प्रति वह कठोरता नहीं दिखा रही, जो संविधान और कानून नियम के अनुसार जरूरी है। नागरिकता कानून, अनुच्छेद 370, चुनावी बांड, जांच एजेंसियों की मनमानी कार्यवाही, नागरिकों की धार्मिक राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर न्यायिक सक्रियता की धीमी गति ने न्यायपालिका के प्रति नागरिकों के विश्वास को कमजोर किया है। नागरिकों की यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका पर कार्यपालिका का दबाव बढ़ गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के मनमाने तरीके से ट्रांसफर किए जा रहे हैं। फैसलों को लेकर सरकार का अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अब लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। सबसे चिंताजनक आरोप न्यायपालिका पर यह लग रहा है, कि अब 'अमीरों के लिए अलग न्याय और गरीबों के लिए अलग न्याय' की स्थिति बनती जा रही है। जमानत के मामलों में असमानता, धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण फैसले, वर्षों से जेलों में बंद विचाराधीन कैदी, प्रभावशाली आरोपियों को त्वरित राहत मिलने, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, एसआईआर मामले की सुनवाई में तारीख पर तारीख के बीच बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाना, इस तरह के सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं। जिससे आम नागरिकों एवं न्यायविदों के मन में न्याय के प्रति अविश्वास देखने को मिल रहा है। न्यायपालिका को सरकार का संरक्षण मिलने और बदले में सरकार के हितों के प्रति नरमी दिखाने के कई फैसलों की चर्चा लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस स्थिति का सीधा प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ रहा है। न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर होता है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। संविधान की रक्षा का दायित्व न्यायपालिका के ऊपर है। यही लोगों के लिए अंतिम विश्वास के रूप में बना हुआ था जो अब खंडित हो रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है, कि नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका के प्रति कैसे बना रहे? इसके लिए न्यायिक स्वतंत्रता जरूरी है। न्यायाधीशों और न्यायालयों को वास्तविक संरक्षण प्राप्त हो, नियुक्तियों और तबादलों में पारदर्शिता बढ़ाई जाए। संवेदनशील मामलों में समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। गरीब और वंचित वर्ग के लिए त्वरित संवेदनशील न्याय की व्यवस्था मजबूत की जाए। न्यायाधीशों के आचरण में प्रदर्शित हो। न्यायपालिका के फैसलों में स्पष्टता हो। सुप्रीम कोर्ट पूर्व में दिए गए निर्णयों एवं संवैधानिक बेंच द्वारा दिए गए निर्णयों का वर्तमान न्यायाधीश सम्मान करें। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो फैसले दिए जा रहे हैं, वह स्पष्ट हों, फैसला संविधान कानून और नियम के अनुसार किए गए हैं। यह परीलिक्षित हो। न्यायपालिका की ताकत उसकी साख में है। न्यायपालिका की साख कमजोर हुई, तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा संकट में पड़ जाएगा। आवश्यकता है, न्यायपालिका अपने भीतर झाँके। आत्ममंथन करे, अपने फैसलों से नागरिकों का अटूट विश्वास अर्जित करे। बिना भरोसे का न्याय औपचारिक बन जाता है। ऐसी स्थिति में लोग न्यायपालिका के स्थान पर गुंडे और बदमाशों के पास जाकर न्याय पाने की चेष्टा करते हैं। न्याय पाने के लिए राजनेताओं के पास जाने लगते हैं। ऐसी स्थिति में भीड़-तंत्र स्वयं न्याय पाने के लिए सड़कों पर उतरने लगता है। भारत की न्यायपालिका को अपनी साख बेहतर बनाने की दिशा में काम करना होगा। अन्यथा स्थिति बहुत खराब हो सकती है।

राष्ट्रीय एकता के महायज्ञ को पूरा करने के लिए संकल्प ले, आगे आये

कांतिलाल मांडोत

यह वह ऐतिहासिक दिन है जब भारत ने स्वयं को केवल आजाद राष्ट्र ही नहीं बल्कि एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। इस दिन हमने अपने संविधान को अपनाया, जिसने हमें अधिकार ही नहीं दिए बल्कि कर्तव्यों की याद भी दिलाई। गणतंत्र दिवस हमें यह समझाता है कि राष्ट्र केवल सरकार से नहीं बनता, बल्कि हर नागरिक के आचरण, सोच और कर्म से बनता है।

26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस केवल एक तारीख नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का उत्सव है। यह वह ऐतिहासिक दिन है जब भारत ने स्वयं को केवल आज़ाद राष्ट्र ही नहीं बल्कि एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। इस दिन हमने अपने संविधान को अपनाया, जिसने हमें अधिकार ही नहीं दिए बल्कि कर्तव्यों की याद भी दिलाई। गणतंत्र दिवस हमें यह समझाता है कि राष्ट्र केवल सरकार से नहीं बनता, बल्कि हर नागरिक के आचरण, सोच और कर्म से बनता है। यही दिन लोकतंत्र की भावना का सम्मान करने, संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करने का अवसर देता है। भारत की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, उसकी एकता और उसकी विविधता से है। गणतंत्र दिवस पर हम केवल परेड, झांकियों और तिरंगे को देखकर भावुक नहीं होते, बल्कि उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को भी याद करते हैं जिन्होंने इस देश की मिट्टी को अपने रक्त से सींचा। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आज़ाद, अशफाक उल्ला खाँ, रामप्रसाद बिस्मिल जैसे वीरों ने हँसते-हँसते फाँसी का फंदा चुना। गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्यवाद की नींव हिला दी। जलियाँवाला बाग की अमानवीय घटना आज भी हमें याद दिलाती है कि आज़ादी कितनी भारी कीमत चुकाकर मिली है। अंग्रेजों की गोलियाँ हमारे शरीर को छलनी कर सकती थीं, लेकिन हमारे हौसलों को नहीं। उसी संघर्ष का परिणाम है कि आज हमारा तिरंगा स्वतंत्र आकाश में गर्व से लहरा रहा है।

गणतंत्र दिवस हमें केवल अतीत पर गर्व करने के लिए नहीं, बल्कि वर्तमान की समीक्षा और भविष्य की दिशा तय करने के लिए प्रेरित करता है। स्वतंत्रता दिवस हो या गणतंत्र दिवस, यदि हम इन्हें केवल औपचारिक उत्सव बनाकर संतुष्ट हो जाएँ तो यह उन बलिदानों के साथ अन्याय होगा। ऐसे राष्ट्रीय पर्व मूल्यांकन दिवस होने चाहिए, जब हम खुले मस्तिष्क और शांत हृदय से यह सोचें कि हमने सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और नैतिक स्तर पर क्या हासिल किया और क्या करना अभी बाकी है। हमें स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या हम संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के आदर्शों को अपने जीवन में उतार पाए हैं।

राम के जीवन का एक प्रसंग हमें वचन की महत्ता समझाता है। दिए हुए वचन को निभाने के लिए राम ने राजपाट तक त्याग दिया। आज जब राजनीति में बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं और वे पूरे नहीं होते, तब राम का जीवन हमें आत्मचिंतन के लिए विवश करता है। लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च होती है और सत्ता सेवा का माध्यम होनी चाहिए, स्वार्थ का नहीं। नेता और सरकार यदि राम के चरित्र से प्रेरणा लें तो शासन का स्वरूप अपने आप बदल सकता है। प्रजा से राजा है, राजा से प्रजा नहीं, यह भावना यदि व्यवहार में उतर जाए तो शासन जनकल्याण का सच्चा माध्यम बन सकता है।

गांधी जी ने स्वतंत्र भारत का जो सपना देखा था, उसका केंद्र रामराज्य था। रामराज्य का अर्थ किसी धार्मिक शासन से नहीं बल्कि सद्गुणों के साम्राज्य से है, जहाँ सत्य, न्याय, करुणा और नैतिकता सर्वोपरि हों। आज स्वतंत्रता के दशकों बाद भी हम गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, असमानता और सामाजिक विषमता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। सत्ता का मोह और स्वार्थ इन समस्याओं को और गहरा कर देता है। गणतंत्र दिवस पर यह संकल्प लेने की आवश्यकता है कि शासन व्यवस्था जनकल्याण की भावना से संचालित हो और नागरिक भी अपने आचरण से राष्ट्र को मजबूत बनाएँ।

गरीबी उन्मूलन आज भी भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है। केवल सरकारी योजनाओं से ही गरीबी समाप्त नहीं होगी, इसके लिए समाज और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और समान अवसर ही गरीबी के स्थायी समाधान हैं। गणतंत्र दिवस हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हम अपने स्तर पर क्या कर सकते हैं। क्या हम किसी ज़रूरतमंद बच्चे की पढ़ाई में सहयोग कर सकते हैं, क्या हम ईमानदारी से कर देकर राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं, क्या हम अपने काम में उत्कृष्टता लाकर देश की उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। जब हर नागरिक अपने कर्तव्य को समझेगा, तभी गरीबी जैसी समस्याओं पर विजय संभव होगी। गणतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं है, बल्कि यह नागरिकों को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी का अधिकार देता है। वोट देना केवल अधिकार नहीं बल्कि जिम्मेदारी है। जागरूक और विवेकपूर्ण मतदान से ही स्वस्थ लोकतंत्र बनता है। गणतंत्र दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमें जाति, धर्म या तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में निर्णय लेने चाहिए। लोकतंत्र तभी उपयोगी है जब उसमें जनता की आवाज़ सशक्त हो और शासन जवाबदेह हो। संविधान ने हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है, लेकिन उसके साथ यह दायित्व भी दिया है कि हम उसका प्रयोग जिम्मेदारी से करें।

आज के वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। विदेशी व्यापार और विदेश नीति में संतुलित और दूरदर्शी बदलाव भारत को आर्थिक और सामरिक रूप से शक्तिशाली बना सकते हैं। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प केवल नारा नहीं बल्कि व्यवहार में उतरने वाली सोच है। स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देकर, नवाचार को प्रोत्साहित करके और वैश्विक मंचों पर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखकर भारत विश्वगुरु की दिशा में आगे बढ़ सकता है। गणतंत्र दिवस पर यह संकल्प दोहराना आवश्यक है कि भारत न केवल आर्थिक महाशक्ति बने बल्कि नैतिक नेतृत्व भी प्रदान करे।

सरकार के दायित्व और नागरिकों के कर्तव्य एक-दूसरे के पूरक हैं। सरकार का कर्तव्य है कि वह पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील शासन दे, वहीं नागरिकों का कर्तव्य है कि वे कानून का पालन करें, सामाजिक सद्भाव बनाए रखें और राष्ट्रहित में योगदान दें। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सम्मान, सामाजिक समरसता जैसे विषय केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं हैं।

स्याही से संप्रभुता तकः भारतीय संविधान की ऐतिहासिक यात्रा

योगेश कुमार गोयल

डा. भीमराव अम्बेडकर के अथक प्रयासों के कारण ही भारत का संविधान ऐसे रूप में सामने आया, जिसे दुनिया के कई अन्य देशों ने भी अपनाया। दिलचस्प बात यह है कि भारत के लिखित संविधान में कई चीजें विभिन्न देशों के संविधान से ली गई हैं। हमारा यह संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। हालांकि कुछ ऐसे देश भी हैं, जिनके पास अपना कोई लिखित संविधान नहीं है, ऐसे देशों में पहले से ही बने ऐसे नियमों के आधार पर ही शासन व्यवस्था चलाई जाती है, जो संविधान के अधिनियमों के बराबर महत्व रखते हैं।

श्वेता गोयल

भारत इस वर्ष अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के संविधान का विशेष महत्व है, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था। हालांकि इसे स्वीकृत 26 नवम्बर 1949 को ही कर लिया गया था। डा. भीमराव अम्बेडकर के अथक प्रयासों के कारण ही भारत का संविधान ऐसे रूप में सामने आया, जिसे दुनिया के कई अन्य देशों ने भी अपनाया। दिलचस्प बात यह है कि भारत के लिखित संविधान में कई चीजें विभिन्न देशों के संविधान से ली गई हैं। हमारा यह संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। हालांकि कुछ ऐसे देश भी हैं, जिनके पास अपना कोई लिखित संविधान नहीं है, ऐसे देशों में पहले से ही बने ऐसे नियमों के आधार पर ही शासन व्यवस्था चलाई जाती है, जो संविधान के अधिनियमों के बराबर महत्व रखते हैं। आश्चर्य की बात है कि भारत पर करीब दो सदियों तक शासन कर चुके इंग्लैंड जैसे देश के पास भी लिखित रूप में संविधान नहीं है। समय और परिस्थितियों के अनुसार इंग्लैंड के कानून को वहां की संसद द्वारा बदला जा सकता है। सऊदी अरब भी ऐसा देश है, जिसके पास अपना कोई लिखित संविधान नहीं है, जहां कुरान में लिखी बातों को ही सर्वोच्च मानकर प्रायः अजीबोगरीब कानूनों के आधार पर ही निर्णय लिए जाते हैं। इजराइल भारत के एक वर्ष बाद यानी 1948 में आजाद हुआ था लेकिन उसके पास भी अपना लिखित संविधान नहीं है। हालांकि वहां संविधान बनाने की प्रक्रिया तो शुरू हुई थी किन्तु संसद में आपसी मतभेदों के कारण यह मूर्त रूप नहीं ले सका। इसी कारण इजराइल की संसद में अलिखित संविधान को ही मान्यता प्राप्त है, जिसके जरिये वहां की शासन व्यवस्था चलाई जाती है। इजराइल की ही भांति दक्षिण पश्चिमी प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश न्यूजीलैंड में भी अलिखित संविधान ही है और वहां भी पहले बने कानूनों को आधार मानकर न्याय एवं प्रशासनिक व्यवस्था चलती है। संविधान के लिखित अथवा अलिखित होने को लेकर कनाडा की स्थिति कुछ अजीबोगरीब है। दरअसल यहां कुछ लोग मानते हैं कि कनाडा में अलिखित संविधान के जरिये शासन होता है जबकि कुछ लोगों का कहना है कि कनाडा का लिखित संविधान है। वैसे माना जाता है कि कनाडा में लिखित संविधान तो है लेकिन यहां की सरकार अलिखित संविधान के नियमों का ही पालन करती है। जहां तक भारतीय संविधान की बात है तो प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का प्रतीक हमारा यह संविधान बहुत मेहनत के बाद तैयार हुआ था। संविधान प्रारूप समिति की बैठकें 114 दिनों तक चली थी और संविधान के निर्माण में करीब तीन वर्ष का समय लगा था। संविधान के निर्माण कार्य पर करीब 64 लाख रुपये खर्च हुए थे और इसके निर्माण कार्य में कुल 7635 सूचनाओं पर चर्चा की गई थी। मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे लेकिन 44वें संविधान संशोधन के जरिये सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर संविधान के अनुच्छेद 300 (ए) के अंतर्गत कानूनी अधिकार के रूप में रखा गया, जिसके बाद भारतीय नागरिकों को छह मूल अधिकार प्राप्त हैं, जिनमें समता या समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से अनुच्छेद 18), स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22), शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24), धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28), संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30) तथा संवैधानिक अधिकार (अनुच्छेद 32) शामिल हैं। संविधान के भाग-3 में अनुच्छेद 12 से अनुच्छेद 35 के अंतर्गत मूल अधिकारों का वर्णन है और संविधान में यह व्यवस्था भी की गई है कि इनमें संशोधन भी हो सकता है तथा राष्ट्रीय आपात के दौरान जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को छोड़कर अन्य मौलिक अधिकारों को स्थगित किया जा सकता है।

भारतीय संविधान से जुड़े रोचक तथ्यों पर नजर डालें तो हमारे संविधान की सबसे बड़ी रोचक बात यही है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। सर्वप्रथम सन् 1895 में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने मांग की थी कि अंग्रेजों के अधीनस्थ भारत का संविधान स्वयं भारतीयों द्वारा बनाया जाना चाहिए लेकिन भारत के लिए स्वतंत्र संविधान सभा के गठन की मांग को ब्रिटिश सरकार द्वारा ठुकरा दिया गया था। 1922 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने मांग की कि भारत का राजनैतिक भाग्य भारतीय स्वयं बनाएंगे लेकिन अंग्रेजों द्वारा संविधान सभा के गठन की लगातार उठती मांग को ठुकराया जाता रहा। आखिरकार 1939 में कांग्रेस अधिवेशन में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि स्वतंत्र भारत के संविधान के निर्माण के लिए संविधान सभा ही एकमात्र उपाय है और सन् 1940 में ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा ही बनाए जाने की मांग को स्वीकार कर लिया गया। 1942 में क्रिप्स कमीशन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में निर्वाचित संविधान सभा का गठन किया जाएगा, जो भारत का संविधान तैयार करेगी।

सच्चिदानंद सिन्हा की अध्यक्षता में 9 दिसम्बर 1946 को संविधान सभा पहली बार समवेत हुई किन्तु अलग पाकिस्तान बनाने की मांग को लेकर मुस्लिम लीग द्वारा बैठक का बहिष्कार किया गया। दो दिन बाद संविधान सभा की बैठक में डा. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया।

और वे संविधान बनाने का कार्य पूरा होने तक इस पद पर आसीन रहे। 15 अगस्त 1947 को भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ और संविधान सभा द्वारा 29 अगस्त 1947 को संविधान का मसौदा तैयार करने वाली 'संविधान निर्मात्री समिति' का गठन किया गया, सर्वसम्मति से जिसके अध्यक्ष बने भारतीय संविधान के जनक डा. भीमराव अम्बेडकर।

अविमुक्तेश्वरानंद पर योगी और मौर्य आमने सामने?

मनोज कुमार अग्रवाल

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर उठे विवाद में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी और केशव मौर्या के अलग अलग सुर वाले बयानों से भाजपा सरकार को असहज कर दिया है। विरोधी इसके अलग अर्थ निकाल रहे हैं लेकिन लगता है कि पहली बार दोनों नेता किसी मुद्दे पर खुलकर एक-दूसरे के सामने आ गए हैं। गुरुवार को दिए गए इन बयानों के बाद यूपी भाजपा फिर से दो गुटों में बंटती नजर आ रही है। इस विवाद की वजह से पार्टी कार्यकर्ताओं में भी असमंजस है और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। आजमगढ़ पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने अपरोक्ष रूप से शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मैं ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के चरणों में प्रणाम करता हूं। उनसे प्रार्थना है कि वह स्नान कर इस विषय का समापन करें। केशव मौर्या के इस बयान को अविमुक्तेश्वरानंद के पक्ष में देखा जा रहा है। इससे लगता है कि वे शंकराचार्य की स्थिति को मान्यता दे रहे हैं और विवाद को शांत करने की अपील कर रहे हैं। आपको बता दें यूपी के प्रयागराज में मौनी अमावस्या को शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शाही सवारी के साथ स्नान करने निकले थे। प्रशासन ने उनके काफिले को रोक लिया था और अन्य अखाड़ों की तरह स्नान करने की सलाह दी थी। इसके बाद से विवाद भड़क गया। बात इतनी बढ़ी कि अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती धरने पर बैठ गए और प्रशासन ने भी नोटिस थमा दिया। सरकारी नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के हवाले से उन्हें शंकराचार्य मानने से इनकार कर दिया गया। इस विवाद ने तूल पकड़ा तो यूपी में समाजवादी पार्टी भी एक्टिव हो गई और उसे सनातन का अपमान बताया। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ कड़े शब्द कहते सुनाई दे रहे हैं।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहते हैं कि यही योगी, जिसे आप लोग साधु-संत कहते हो, लेकिन हम उसे हुमायूं का बेटा अकबर कहते हैं और औरंगजेब कहते हैं। वे आगे कहते हैं कि योगी हिंदू कहलाने के लायक नहीं हैं। उनका आरोप है कि योगी सरकार में कई मंदिर तोड़े गए हैं, लेकिन योगी ने इस पर एक शब्द भी नहीं कहा। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी का डर है। अविमुक्तेश्वरानंद के इन बेहद आपत्तिजनक बयान पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने बहुत सधे शब्दों में पलटवार किया उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि एक योगी, संत और संन्यासी के लिए धर्म और राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता है। यही उसके जीवन का ध्येय होना चाहिए। उसकी व्यक्तिगत प्रॉपर्टी कुछ नहीं हो सकती है। धर्म ही उसकी प्रॉपर्टी है और राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान है। अगर अगर राष्ट्र की स्वाभिमान को चुनौती देता है तो हमें खुलकर उसके सामने खड़ा होना चाहिए। कोई धर्म के खिलाफ आचरण करता है, क्योंकि ऐसे तमाम कालनेमि होंगे, जो धर्म की आड़ में सनातन को कमजोर करने की साजिश रच रहे होंगे। हमें उनसे सावधान रहना होगा, हमें सतर्क होना होगा। हालांकि योगी ने किसी का नाम लिए बिना कालनेमियो का जिक्र किया लेकिन इस से अविमुक्तेश्वरानंद विवाद और भड़क उठा।शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और यूपी सरकार के बीच विवाद अब नए मोड़ पर पहुंच गया है। मौनी अमावस्या के दौरान स्नान को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती यागराज माघ मेले में ही धरने पर बैठे हैं और प्रशासन से उनकी लड़ाई जारी है।स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर पर प्रशासन ने नोटिस चस्पा किया, 48 घंटे में जवाब मांगा, और कहा कि उनके कृत्यों से व्यवस्था छिन्न-भिन्न हुई। योगी सरकार ने उन्हें 'शंकराचार्य' मानने से इनकार किया और सुविधाएं रद्द करने की धमकी दी। अविमुक्तेश्वरानंद समर्थक कुछ संतों ने योगी पर 'संत अपमान' का आरोप लगाया।

चिंतन-मनन

विचार प्रांति की जरूरत

एक समय अवांछनीय व्यक्तियों या तत्वों को हटाने के लिए मुख्यतः शस्त्रबल से ही काम लिया जाता था। तब विचारशक्ति की व्यापकता का क्षेत्र खुला न था। बहुसंख्यक जनता को एक दिशा में सोचने, कुछ करने या संगठित करने के लिए उपयुक्त साधन न थे। इसलिए संसार में जब भी अनाचार, पाप, अनौचित्य फैलता था, तब उस अनौचित्य का निवारण युद्ध द्वारा शस्त्रबल से किया जाता था। प्राचीनकाल में युग परिवर्तन की यही भूमिका रही है। इसी कारण रावण, कंस, हिरण्यकशिपु आदि अनीतिमूलक वातावरण उत्पन्न करने वालों को परास्त करनेवाले महामानवों को अवतार, देवदूत आदि सम्मानों से सम्मानित किया गया। पिछले कई वर्षों में विज्ञान ने अद्भुत प्रगति की है। संसार की अनेक सभ्यताओं और विचारधाराओं ने एक-दूसरे को प्रभावित करना आरम्भ किया। साथ ही ऐसे शस्त्रों का आविष्कार आरम्भ हुआ, जिससे युद्ध केवल दो देशों के बीच संभव न रहा। सरकारी कानून के तहत व्यक्तिगत लड़ाइयां असंभव हो गई। आज किसी देश का प्रधानमंत्री भी किसी का वध कर डाले, तो उसे जरूरी सजा भुगतनी ही पड़ेगी। पुराने जमाने में योद्धा तलवार से निपट लेते थे, पर अब तो युद्ध के अस्त्र-शस्त्र तथा क्रियाकलाप इतने महंगे हैं कि एक सैनिक को मारने का खर्च प्रायः हजारों रुपये पड़ जाता है। उसके पीछे अंतरराष्ट्रीय गुटबंदी और सहायताएं, सहानुभूतियां भी काम करती हैं। इस वैज्ञानिक युग में पिछले दो युद्ध अनंत संहारक साधनों से लड़े गये, फिर भी उनसे कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं हुआ। कहने का तात्पर्य इतना भर है कि प्राचीनकाल में अनीति व अनुपयुक्त परिस्थितियों का मूल कारण बने व्यक्तियों को निरस्त करने से वातावरण बदल जाता था, पर वैज्ञानिक प्रगति ने इस संभावना को समाप्त कर दिया। पहले कुछ शक्तिशाली शासक ही भला-बुरा वातावरण बनाने के निमित्त होते थे पर अब जनता के हर नागरिक को अपनी शक्तियां विकसित करने और उपयोग करने की ऐसी सुविधा मिल गई है कि वह स्वयं स्वतंत्र इकाई के रूप में समाज पर भारी प्रभाव छोड़ता है। अस्तु, अपने भाग्य का निर्माता स्वयं होने के शात सत्य के साथ इसी निष्कर्ष पर पहुंचना पड़ता है कि विकृत मनःस्थिति ही एकमात्र कारण है, जिसने संकटों के तूफान खड़े कर दिये हैं, अन्यथा पुराने समय में स्वल्प साधनों के रहते लोग हंसते-हंसाते जीवन जीते रहे, तो अब साधन सुविधाओं की विपुलता होते हुए विपन्न और उद्विग्न स्थिति में दिन गुजारने का अन्य कोई कारण नहीं।

खास बात

नितिन नवीन बने मोदी के बॉस

नितिन नवीन भारतीय जनता पार्टी के 12 वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। पार्टी मुख्यालय में उन्होंने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपना बॉस बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा वह पार्टी के कार्यकर्ता हैं। अब मेरे बॉस नितिन नवीन हैं।वही मेरे काम का आकलन करेंगे। पार्टी अध्यक्ष के नाते वह जो नीति निर्धारण करेंगे। उसके अनुसार ही मुझे काम करना पड़ेगा। इसलिए वह मेरे बॉस हुए।

मुंबई में भाजपा का महापौर बनेगा?

भारतीय जनता पार्टी इस बार मुंबई का महापौर पद अपने पास रखना चाहती है। इसके लिए भाजपा द्वारा काफी प्रयास किये जा रहे हैं। एकनाथ शिंदे तथा उद्धव ठाकरे भाजपा के लिए राहु केतु के रूप में सामने हैं। ऐसी स्थिति में महापौर का पद किसके पास जाएगा। इसको लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। शिंदे कह रहे हैं, कि वह किसी शिव सैनिक को ही महापौर बनाएंगे। महिला शिव सैनिक में कौन महिला मुंबई की महापौर बनेगी। यदि भाजपा की बनेगी तो कौन महिला होगी। परिणाम को लेकर इंतजार करना होगा।

मेनका गांधी पर भड़के सुप्रीम कोर्ट के जज

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी से नाराजगी जाहिर की है। अदालत ने कहा आवारा कुत्तों को लेकर वह बार-बार सुप्रीम कोर्ट आ रही हैं। पिछली सुनवाई की टिप्पणियों को वह मजाक समझ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा वह कुत्तों के मामले में गंभीर हैं। मेनका गांधी द्वारा समय-समय पर जो बयान दिए जा रहे हैं। उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट के जजों ने अपनी नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने मेनका गांधी से पूछा, जब वह केंद्रीय मंत्री थी।तब उन्होंने कुत्तों के लिए कितना बजट रखा था। जब मंत्री थी तब उन्हें कुत्तों की याद नहीं आई?

बंगाल की मतदाता सूची चुनाव आयोग के गले में फंसी

पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची चुनाव आयोग के गले में फाँस की तरह फस गई है। मतदाता सूची का यह विवाद सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। रोजाना चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट से नई-नई नसीहतें मिल रही हैं। बिहार में इसी तरह की गड़बड़ियां थी। उस समय यह मामला तूल नहीं पकड़ा। पश्चिम बंगाल के मामले में ममता दीदी चुनाव आयोग पर भारी पड़ रही हैं।ममता दीदी के रौद्ररूप को देखते हुए चुनाव आयोग को बचाव की मुद्रा में आना पड़ रहा है। चुनाव आयोग ने जिन लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से अलग किए हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, माघ शुक्ल पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पूर्वे तिथी अष्टमी, सोमवासरे, अश्वनी नक्षत्रे, सा/शु 52/29 योगे, विवकरणे, मेष की चंद्रमा, भद्रा 2/08 , मूल समाप्त दिन 12/12 धान्य छेदन व्यापार तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक, योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, शासक, प्रशासक, शिक्षक लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिन्सपल तथा कवि लेखक, विधायक एवं अधिकारी होगा।

मेष राशि- मानप्रतिष्ठा बाल बाल बचे, कार्य व्यवसाय गति उत्तम, स्त्री वर्ग से क्लेश होगा।

वृष राशि- धन प्राप्ति के योग बनेंगे, नवीन मैत्री व मंत्रणा प्राप्त होगी, ध्यान अवश्य रखें।

मिथुन राशि- इष्ट मित्र वर्ग सहायक रहे, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होवे तथा कार्य बनेंगे।

कर्क राशि- सामाजिक मान प्रतिष्ठा, कार्य कुशलता, संतोषजनक रहे, कार्य बनने लगेगे।

सिंह राशि- परिश्रम से समय पर सोचे कार्य पूर्ण होंगे तथा व्यवसाय गति उत्तम होगी।

कन्या राशि- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद रहे, कार्यकुशलता से संतोष होगा, कार्य बनें।

तुला राशि- दैनिक व्यवसाय गति उत्तम तथा व्यवसायिक चिन्ताएं कम अवश्य होगी।

वृश्चिक राशि- कार्य वृत्ति में सुधार होगा, असमंजस तथा सफलता न मिलें कार्य अवरोध होगा।

धनु राशि- स्थिति अनियंत्रित रहे तथा नियंत्रण करना आवश्यक होगा, कलह से बचें।

मकर राशि- मानसिक खिन्नता एवं स्वभाव में मानसिक उद्विग्नता रहे।

कुंभ राशि- योजनाएं फलीभूत हो, विघटनकारी तत्व आय को परेशान अवश्य करेगा।

मीन राशि- मनोबल उत्साह वर्धक हो, कार्य कुशलता से संतोष हो।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

26 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	कुंभ	07.48 बजे से
चंद्र	मेष में	मीन	09.21 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	10.51 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.31 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.30 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	16.43 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.59 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.11 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.22 बजे से
		वृश्चिक	01.36 ब.से
		धनु	03.52 बजे से
		मकर	05.58 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2026 वर्ष का 26 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 21.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 12.33 बजे को समाप्त।
योग साध्य 09.12 बजे तदनन्तर शुभ 06.20 बजे प्रातः को समाप्त।
करण विष्टि 10.17 बजे तदनन्तर बव 21.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 7.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 18° 46'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872601
जूलियन दिन 2461066.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 06
विशेष भीष्म अष्टमी, मासिक दुर्गाष्टमी, गणतंत्र दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

अधिकारियों ने जीआर घोड़ेश्वर के वाद्य यंत्र संग्रहालय का किया अवलोकन

बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीणा, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ और एसडीएम गोपाल सोनी ने स्वीप आइकन जीआर घोड़ेश्वर के निवास पर स्थापित वाद्य यंत्र संग्रहालय का अवलोकन किया। संग्रहालय में संकलित पारंपरिक एवं दुर्लभ वाद्य यंत्रों का परिचय घोड़ेश्वर के बड़े पुत्र प्रमोद कुमार घोड़ेश्वर, बड़ी बहू रज्जू घोड़ेश्वर द्वारा कराया गया। अधिकारियों ने संग्रहालय में रखे अनेक पारंपरिक वाद्य यंत्रों को स्वयं बजाकर देखा एवं उनकी ध्वनि और ऐतिहासिक महत्व की सराहना की। सभी अधिकारियों ने घोड़ेश्वर के इस अनूठे प्रयास की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर जीआर घोड़ेश्वर ने अपने द्वारा संकलित पारंपरिक वाद्य यंत्रों को शासन को हस्तांतरित कर एक पृथक एवं विशिष्ट संग्रहालय स्थापित किए जाने की अपील की।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में अधेड़ की मौत

दतिया। सिविल लाइन थाना अंतर्गत गांव बुंधेड़ा के पास रविवार दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक बाइक सवार अधेड़ व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान देवप्रसाद राजपूत (50) निवासी ग्राम बुंधेड़ा के रूप में हुई है। देवप्रसाद दतिया से खोया बेचकर बाइक से अपने गांव वापस लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे ग्राम बुंधेड़ा निवासी ब्रजेश राजपूत अपनी बहन के साथ दतिया की ओर जा रहे थे।

हमने तीन साल में ठोस निर्णय लेकर गढ़े विकास के आयाम : श्रीमती नीतू महेंद्र यादव

नर्मदापुरम् ■ अमृत दर्शन

नर्मदा मैया की जय, मां नर्मदा के तट पर बसा हमारा नगर नर्मदापुरम् आज प्रगति के पथ पर अग्रसर है। नागरिकों की मंशा अनुरूप और हमारे वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगणों के मार्गदर्शन में नर्मदापुरम नगर में वे सब काम संभव हो पाएं हैं जो कभी सपने हुआ करते थे। हमारी परिषद द्वारा नगर विकास को लेकर एक रणनीतिक तैयारी शुरू की गई और आज तीन साल का आंकलन करें तो हरेक वार्ड में अनेक विकास कार्य हुए हैं। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के साथ कार्य किया है। जिनमें मुख्यमंत्री अधोसंरचना, नगरीय निकाय योजना, केंद्रीय योजना, सांसद निधि, विधायक निधि का हमारी परिषद द्वारा बेहतर उपयोग कर नागरिकों को हरसंभव सुविधा प्रदान की गई है। हमारी परिषद द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की परिकल्पना अनुरूप कार्य किए जा रहे हैं।

नर्मदा तट पर बने यहां के घाट विश्व प्रसिद्ध हैं। यहां वर्ष भर धार्मिक पर्वो और उत्सवों पर मेलों का आयोजन होता है। यहां के प्रसिद्ध सेठानीघाट, पर्यटन घाट, विवेकानंद घाट, परमहंस घाट सहित अन्य घाटों पर शंख और घंटियों की मधुर ध्वनि गूंजने लगती हैं। जब विप्रगण सम्वेद स्वरों से त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवि नर्मदे गाते हैं तो पूरा वातावरण नर्मदामय हो जाता है। माघ शुक्ल सप्तमी को मां नर्मदा का जन्मोत्सव नर्मदा जयंती के रूप में मनाया जाता है यह आयोजन पूरे देश में प्रसिद्ध है। जिनका सुनियोजित तरीके से आयोजन श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। इसलिए यह नगर धार्मिक पर्यटन के रूप में मानस पटल पर उभर रहा है।

हमारी परिषद के तीन साल बेमिसाल रहे हैं। नगर से संबंधित कई बड़ी चुनौतियां थी जिसका हमारी परिषद ने सामना किया। हमारी परिषद द्वारा जो ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं उनमें मीनाक्षी चौक का चौड़ीकरण के साथ ही मंदिर को स्थानांतरित करना था। उक्त कार्य को भी हमारी परिषद द्वारा किया गया। जिसका नतीजा है कि मीनाक्षी चौक का चौड़ीकरण और मीनाक्षी का राजराजेश्वरी का मंदिर दिव्य और भव्य रूप में नजर आने लगा है।

हमारी परिषद द्वारा मां नर्मदा लोक कोरीडोर, चौक चौराहों का चौड़ीकरण, राजघाट का उन्नयन कार्य, मीनाक्षी चौक का चौड़ीकरण, नए एवं भव्य मंदिर का निर्माण, घाटों का सौंदर्गीकरण विकास, स्टेडियम निर्माण, बस स्टेंड का नवीनीकरण, भोपाल तिराहे का सौदर्गीकरण, सांस्कृतिक हाल का निर्माण, वार्डों में मंगल भवन, सुलभ काम्प्लेक्स का निर्माण, रैन बसेरों में समुचित व्यवस्थाएं, वार्डों में सड़कों का निर्माण, नालों का निर्माण, अतिक्रमण हटाओ मुहिम, नगर को स्वच्छ सर्वेक्षण में सर्वोपरि रखना आदि शामिल हैं। ये सभी कार्य बिना किसी भेदभाव के संपन्न किए जा रहे हैं।

श्रीमती नीतू महेंद्र यादव ने कहा - नागरिकों ने जिस मंशा से भाजपा की नगरपालिका बनाई है हम उसी मंशानुरूप हम कार्य कर रहे हैं। समय-समय पर नगरपालिका में बैठक लेकर पार्षदगणों के विचारों को समावेश कर नगर विकास कर रहे हैं। हमारी परिषद द्वारा स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। स्वच्छता के प्रति लोगों में जनजागरूता आ रही है। वार्डों के चौक चौराहों पर नगरपालिका परिषद की टीम नुक्कड़ नाटक और सोशल मीडिया के साथ ही समाचार पत्रों के माध्यम से स्वच्छता अभियान की अलख जगाने का कार्य कर रही है।

मतदाता जागरूकता में चमका नर्मदापुरम का नाम सारिका घारू राज्य आइकॉन बनी हैं।

भोपाल/नर्मदापुरम् ■ निसं

16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर नर्मदापुरम की सारिका घारू ने एक विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्य और चुनावी जागरूकता अभियान में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें राज्य स्तरीय पुरस्कार से नवाजा गया है। वे इस वर्ष यह गौरव प्राप्त करने वाली मध्य प्रदेश की इकलौती स्वीप

आइकॉन बनी हैं।

भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में यह गरिमामय पुरस्कार मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व चुनाव आयुक्त ओ.पी. रावत, राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार श्रीवास्तव, मुख्य सचिव अनुराग जैन और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सारिका को यह सम्मान आम जनमानस को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने और मतदान के प्रति सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मिला है। अपनी इस सफलता पर सारिका ने बताया कि वे राज्य निर्वाचन आयुक्त और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में जागरूकता कार्यक्रमों को गति दे रही हैं।

नर्मदा जन्मोत्सवः आस्था की लहरों पर संरक्षण का संकल्प

'आटे के दीप' और 'कपड़े के झोलों' से घाट हुए प्लास्टिक मुक्त

नर्मदापुरम् ■ अमृत दर्शन

जीवनदायिनी माँ नर्मदा का जन्मोत्सव इस बार केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह 'पर्यावरण चेतना' का एक बड़ा मंच बनकर उभरा। सुप्रसिद्ध सेठानी घाट पर उमड़े जनसैलाब के बीच माँ नर्मदा सहयोग संस्था एवं वैश्य महासम्मेलन (मप्र) ने एक सराहनीय मिसाल पेश की। संस्था ने 'भक्ति भी, प्रकृति भी' के मंत्र के साथ नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए एक सघन

अभियान चलाया।

परंपरा का ईको-फ्रेंडली स्वरूपः आमतौर पर विसर्जित किए जाने वाले मिट्टी या प्लास्टिक के दीपकों के विपरीत, इस वर्ष श्रद्धालुओं को आटे से बने दीपक वितरित किए गए। इन दीपकों का दोहरा लाभ हैये नदी में पूरी तरह घुलनशील हैं और जलीय जीवों के लिए पौष्टिक आहार का काम करते हैं। इसके साथ ही, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को पूरी तरह नकारते हुए भक्तों और स्थानीय व्यापारियों को हजारों की संख्या में कपड़े के थैले बांटे गए। अभियान का नेतृत्व कर रहीं वैश्य महासम्मेलन की महिला संभागीय अध्यक्ष नीरजा फौजदार ने कहा, 'माँ नर्मदा तभी प्रसन्न होंगी जब हम उनके आंचल को स्वच्छ रखेंगे।

गणतंत्र दिवस परिशिष्ट

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

गजानंद यादव (सरपंच)
महेश यादव (उपसरपंच)
सुभाषचंद नागराज (सचिव)
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत सिपटान, ब्लाक कसरावद जिला खरगौन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

चंपाबाई कनासे (सरपंच)
राधेश्याम मालवीय सचिव
मांगीलाल बास्कले (रो. सहायक)
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत मदनी खुर्द ब्लाक भगवानपुरा जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनिताबाई खोड़े (सरपंच)
तुलसाबाई सोलंकी (उप सरपंच)
रामलाल डावर (सचिव)
प्रियंका सेंगर (रोजगार सहायक)
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत बागदरी ब्लॉक भगवानपुरा जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कविता बरेला (सरपंच)
आशाराम यादव (सरपंच प्रतिनिधि)
रणछोड़ सावले (सचिव)
नरेन्द्र पंवार (उप सरपंच)
नरेन्द्र सावले (मोबीलाइजर)
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत खेड़ीखुर्द ब्लॉक गोगांवा जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की सभी जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

सेवा सहकारी समिति मैना
समिति प्रबंधक गोविन्द सरोठिया
सौजन्य:-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती गजरी बाई (सरपंच)
बिरलाल रावत (सचिव)

राजेश राठौर, रो सहायक
श्री सुखलाल जी
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत जामन्यापानी ब्लॉक भगवानपुरा जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री ज्ञानसिंह डाबर (सरपंच)
श्री बहादर अजनारे उपसरपंच
राजूखान (सचिव)
दीपक मालवीय (रो. सहायक)
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत भगवानपुरा ब्लाक भगवानपुरा जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती बसंती बाई/रामू (सरपंच)
श्री राजेश सोलंकी उप सरपंच
आरिफ सेख (रोज. सहायक
श्री शिवरामजी (सरपंच प्रतिनिधि)
घनश्याम चौहान (सचिव)
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत राजपुरा ब्लॉक गोगांवा जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पत चौहान (सरपंच)
महादेव मेहरा उप सरपंच
राघव चौहान (सचिव)
परमानंद चौहान रो. सहायक
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत पीपरी ब्लॉक खरगोन जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हेमन्त चिंचे सचिव
हीरली बाई (सरपंच)
लतीफ पठान रो. सहायक
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत करही ब्लॉक भगवानपुरा जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रेखाबाई दिलीप (सरपंच)
डॉ. विष्णु पाटीदार सरपंच प्रतिनिधि
दीपिका पाटीदार (रो. सहायक)
राज कुमार पाटीदार (सचिव)
गायत्री बाई रामकरण (उपसरपंच)
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत अकावल्या ब्लॉक खरगोन जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अन्नपूर्णा जितेन्द्र मण्डलोई (सरपंच)
भारतभाई (उपसरपंच)
मनीष यादव (सचिव)
वीरेन्द्र डाबर रो. साहयक
बबली चौहान (मोबीलाईजर)
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत बलगांव ब्लॉक गोगांवा जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सिरका बाई (सरपंच)
रेमसिंग किराडे (सरपंच प्रतिनिधि)
रामचन्द्र खोडे (सचिव)
लतीफ पाठन (रो. सहायक)
बबिता प्रकाश पंवार जनपद सदस्य
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत काबरी ब्लॉक भगवानपुरा जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनीता/भगवान (सरपंच)
सुमित पाटीदार (सरपंच प्रतिनिधि)
हेमराज गुर्जर (सचिव)
योगेश शर्मा रो. सहायक
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत पंघानिया ब्लॉक खरगोन जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बदीबाई मोरे (सरपंच)
कृष्णलाल पाटीदार (सचिव)
कमल पाटीदार (उपसरपंच)
पूजा पाटीदार रो. साहयक
मीराबाई सागोरे (जनपद सदस्य)
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत बलवाड़ी ब्लॉक खरगोन जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

लोकेश पाटीदार
मां रेवा स्टोन क्रेसर, खरगोन जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रकाश बघेल (सरपंच)
अखिलेश कुमरावत (सचिव)
मुकेश चौहान (उपसरपंच)
दीपक सोनी रो. सहायक
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत भसनेर ब्लॉक खरगोन जिला खरगोन

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती लोंहगु किराडे (सरपंच)
रवि जायसवाल (सचिव)
अर्जुन मण्डलोई रो. सहायक
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत सिरवले ब्लॉक खरगोन जिला खरगोन

नगर पालिका परिषद, सिवनी मालवा
26 जनवरी 2026
77th
गणतंत्र दिवस समारोह
श्रीमति माया नागोलिया जी

26 जनवरी
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं...
रामबाबू नागेश्वर
समस्त क्षेत्रवासियों को
हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
राहुल स्वीट्स सिवनी मालवा

गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
उमेश अंकले
सरपंच
श्रीमती विद्या बाई
वाथव उपसरपंच
ग्राम पंचायत पीपलठोन
निवेदक पंचगण -लक्ष्मीनारायण नवरे,शशि बाई उईके,विनोद लोबंशी, रामचरण कवरे, रावती, सुखबती, सरस्वती अंकिले,

वन परिक्षेत्र
बानापुरा
26 जनवरी गणतंत्र दिवस
पर प्रदेश एवं जिले के निवासियों को
हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं
अनिल विश्वकर्मा
उप वन मण्डल
अधिकारी
बानापुरा
जी.एस. पवार
वन परिक्षेत्र
अधिकारी
बानापुरा
गणतंत्र दिवस
बधाई कता- वन परिक्षेत्र, बानापुरा सिवनी मालवा

26 जनवरी गणतंत्र दिवस
की समस्त नगर एवं
क्षेत्र वासियों को
हार्दिक शुभकामनाऐं
ज्योति पाणिकर
प्राचार्य
प्रवीण पाणिकर
संचालक
बधाई कर्ता- जीवा ज्योति हायर सी.वी.एस.सी. हायर सेकेंडरी स्कूल बराखड़ रोड, सिवनी मालव-बानापुरा

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
लोरासखुर्द
समिति प्रबंधक
हेमराज मेवाड़ा
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
खामखेड़ा जत्रा
समिति प्रबंधक
राजकुमार उदेनिया
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
सिदि्दकगंज
समिति प्रबंधक
संतोष जैन
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

गणतंत्र दिवस
की सभी जिलेवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
सेवा सहकारी समिति
रामनगर
समिति प्रबंधक
प्रेमनारायण शर्मा
सौजन्यः-शाखा प्रबंधक एवं पर्यवेक्षक एवं समिति प्रबंधक

26
जनवरी
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाऐं
कार्यालय जिला आबकारी विभाग, नर्मदापुरम

26
जनवरी
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाऐं
कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, नर्मदापुरम

SRI SATYA SAI UNIVERSITY
OF TECHNOLOGY AND MEDICAL SCIENCES
(Established (U/S) 2 (F) & 12(B)UGC Act 1956)
Recognized by AICTE, PCI, BCI, NCH, INC, COA NMC, NCISM, ICAR, NCTE New Delhi MPPURC, MPPMC, MPNRC & Govt. of MP
www.sssutms.co.in
info@sssutms.co.in
Admission open for 2026-27
26TH JANUARY 2026
HAPPY REPUBLIC DAY
How to Apply
E-Pravesh QR-Code
Enquiries can be made at:
07562-292740 | 07562-292203
07562-292204
(+91) 9826293590,7748900028
श्रीमान सिद्धार्थ कपूर
कुलाधिपति
डॉ. सुनील कपूर
चेयरमैन
COURSES OFFERED
ENGINEERING
BACHELOR OF ENGINEERING
Aeronautical Engineering
Mining Engineering
Chemical Engineering
Civil Engineering
Computer Science & Engineering
Information Technology
Electronics & Communication Engineering
Electrical & Electronics Engineering
Electrical & Instrumentation Engineering
Electrical Engineering
Mechanical Engineering
MASTER OF TECHNOLOGY
Computer Science & Engineering
Computer Technology & Application
Software Engineering
Information Technology
Industrial Design
Thermal Engineering
Electrical Power System
Power Electronics
Digital Communication
VLSI Design
Structural Design
PhD
Admissions Through Entrance Exam
MEDICAL SCIENCES
MBBS
B.A.M.S
B.H.M.S
PHARMACY
Diploma in Pharmacy
Bachelor of Pharmacy
Master in Pharmacy
Pharmaceutics
Pharmacology
PARAMEDICAL
PG COURSES
Master in Physiotherapy
Master in Medical Lab Technician
UG COURSES
Bachelor of Physiotherapy
Bachelor of Medical Lab Technician
DIPLOMA COURSES
X-Ray Radiographer Technician
DMLT
Blood Transfusion
D.Pharma (Homoeopathy)
D. Pharma (Ayurveda)
Diploma in Ophthalmic Technician
Diploma in Yoga
NURSING
B.Sc. Nursing
AGRICULTURE
B.Sc. (Hons.) Ag.
(ICAR Accredited)
SCIENCE / COMMERCE / ARTS / LAW
B.Sc.
M.Sc.
B.Com.
M.Com
L.L.B
B.A.
M.A.
B.Lib.
M.Lib.
POLYTECHNIC ENGINEERING / DESIGN
Computer Science and Engineering
Civil Engineering
Mechanical Engineering
Electrical Engineering
Chemical Engineering
Design & Architecture
MANAGEMENT
B.B.A
M.B.A
HOTEL MANAGEMENT
B.H.M.C.T
EDUCATION
B.Ed.
B.A.B.Ed.
B.P.Ed.
B.PES
COMPUTER APPLICATION
B.C.A/M.C.A/P.G.D.C.A
SALIENT FEATURES
Scholarship for SC / ST / OBC Candidates
Dynamic & Industry Oriented Curriculam
Implemented Choice Based Credit System (CBCS)
Girls & Boys Hostel Canteen, Sports Facility
Hi-Tech Laboratory Library, Bank & ATM
Wi-Fi Campus, Medical & Transport Facility
National & International collaboration with Universities
Indian Institute of Soil Science, Bhopal
MALAYSIA UNIVERSITY
AJAYI CROWTHER UNIVERSITY, OYO
Sri Satya Sai University of Technology & Medical Sciences
SH-18, Opp.Oilfed Plant, Bhopal-Indore Road,
Sehore (M.P), Pin - 466001

मा. नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
मा. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाईयाँ
संकल्प से समाधान अभियान के तहत
सरकार की योजनाओं का लाभ लें ।
स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत
गीला-सूखा कचरा पृथक-पृथक
कर ही कचरा गाड़ी में डालें ।
निगम के करों का भुगतान समय पर करें, एवं
शहर विकास में सहभागी बनें ।
जल ही जीवन है, जल का संरक्षण करें,
अपने घरों में रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम लगायें ।
श्रीमती अमृता अमर यादव
महापौर, न.पा.नि. खंडवा
अनिल विश्वकर्मा
अध्यक्ष, न.पा.नि.
नगर पालिक निगम खण्डवा (म.प्र.)

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

77वें गणतंत्र दिवस की

प्रदेशवासियों को अनेक मंगलकामनाएं

"भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज राष्ट्र के हर नागरिक के हृदय में देशभक्ति और देश के लिए गर्व का भाव सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नेतृत्व क्षमता के फलस्वरूप यह सब संभव हो पाया है। आज भारत वैश्विक शक्ति बनकर उभर रहा है।"

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की उन्नति के मुख्य स्तंभ

अन्नदाता की समृद्धि से प्रगति की ओर मध्यप्रदेश

वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में घोषित किया गया है, इसका उद्देश्य अन्नदाता को समृद्ध और सशक्त बनाना है।

युवा शक्ति से राष्ट्र निर्माण

मध्यप्रदेश के युवा सक्षम और कौशलवान बनकर अपने सपनों को साकार करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

गरीब एवं जनजातीय वर्ग की तरक्की का संकल्प

गरीब और जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार और समस्त मूलभूत सुविधाओं के लिए हमारी सरकार संकल्पित है।

सशक्त नारी - सशक्त मध्यप्रदेश

नारी परिवार और समाज का दर्पण होती है। महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके पोषण, स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा एवं रोज़गार तक का ख्याल प्रदेश सरकार रख रही है।

अतुल्य विरासत से वैभवशाली मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत अद्भुत एवं समृद्ध है। यहां नैसर्गिक सुंदरता के साथ-साथ कला और संस्कृति भी बहुआयामी है।

औद्योगिक विकास का नया अध्याय

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास का एक उभरता केंद्र बन चुका है। गांवों को शहरों से जोड़ना हो या नए उद्योग स्थापित करने हों, प्रदेश आज चौतरफा विकास की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है।

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh @jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D11193/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल।मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD04/2026-2028 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।